राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के लिए प्रशिक्षण हैंडआउट (रिपोर्टिंग फॉर्म संलग्न)

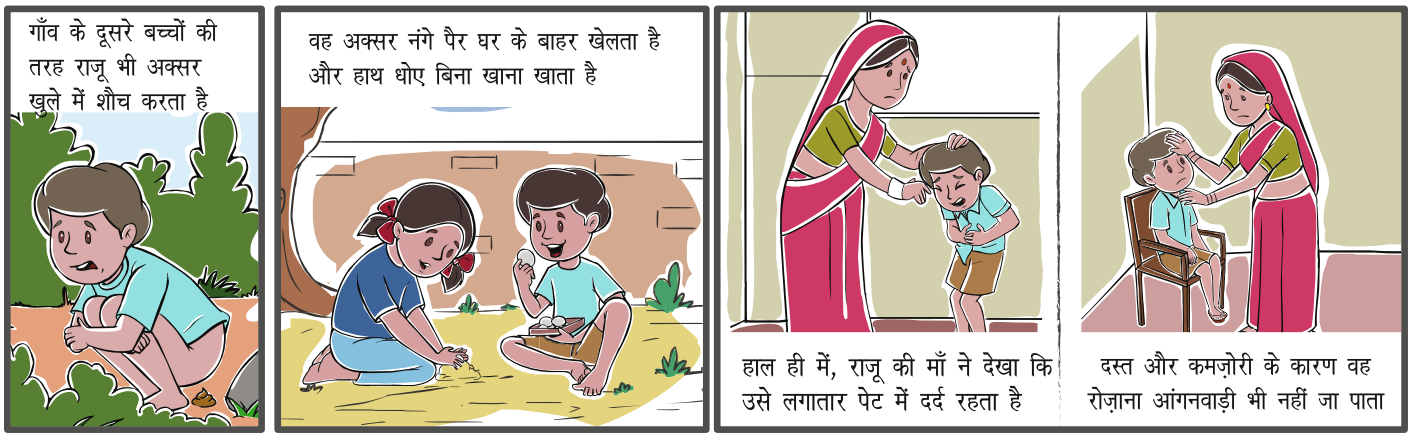

कृमि संक्रमण के मुख्य बिंदु:

कृमि क्या हैं?

कृमि परजीवी होते हैं। जो जीवित रहने के लिए मनुष्य की आंत में रहते हैं।

बच्चों में आम तौर पर तीन तरह के कृमि पाए जाते हैं

राउंड कृमि | व्हिप कृमि | हुक कृमि

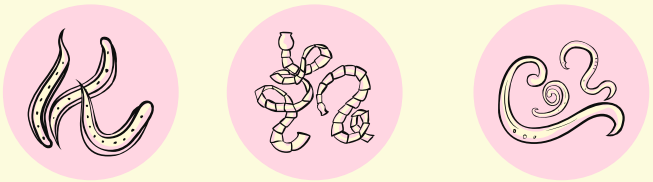

कृमि कई कारणों से बच्चे के पेट में पहुंच सकते है-

- नंगे पैर खेलने से
- बिना हाथ धोए खाना खाने से
- खुले में शौच करने से
- साफ सफाई ना रखने से

कृमि संक्रमण के हानिकारक प्रभाव-

- खून की कमी (अनीमिया)
- कुपोषण
- भूख न लगना
- कमज़ोरी और बेचैनी
- पेट में दर्द, जी मिचलाना, उल्टी और दस्त आना
- वज़न में कमी आना

बच्चों को कृमि नियंत्रण के फायदे-

सीधे फायदे

- खून की कमी में सुधार
- बेहतर पोषण स्तर

अनुमानिक फायदे

- स्कूल और आंगनवाड़ी केन्द्रों में उपस्थिति तथा सीखने की क्षमता में सुधार लाने में मदद
- भविष्य में कार्यक्षमता और औसत आय में बढ़ोतरी
- वातावरण में कृमि की संख्या कम होने पर समुदाय को लाभ मिलता है

कृमि संक्रमण चक्र

1. संक्रमित बच्चे के शौच में कृमि के अंडे होते हैं। खुले में शौच करने से ये अंडे मिट्टी में मिल जाते हैं और विकसित होते हैं।

2. अन्य बच्चे नंगे पैर चलने से, गंदे हाथों से खाना खाने से या फिर बिना ढ़का हुआ भोजन खाने से, लार्वा के संपर्क में आने से संक्रमित हो जाते हैं।

3. संक्रमित बच्चों में कृमि के अंडें व लार्वा रहते हैं जो उन के स्वास्थ्य को हानि पहुचाँते हैं।

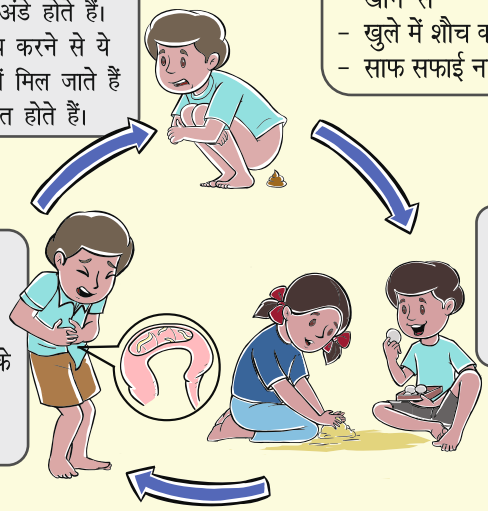

एल्बेंडाजॉल की दवाई कृमि नियंत्रण में मदद करती है

10 फरवरी 2020
राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस

इस दिन 1–19 वर्ष के सभी बच्चों को एल्बेंडाजॉल दवाई सभी आंगनवाड़ी केन्द्रों एवं स्कूलों में निःशुल्क खिलाई जाएगी।

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के लिए प्रशिक्षण हैंडआउट (रिपोर्टिंग फॉर्म संलग्न)

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के तौर पर आपकी क्या मुख्य भूमिका है?

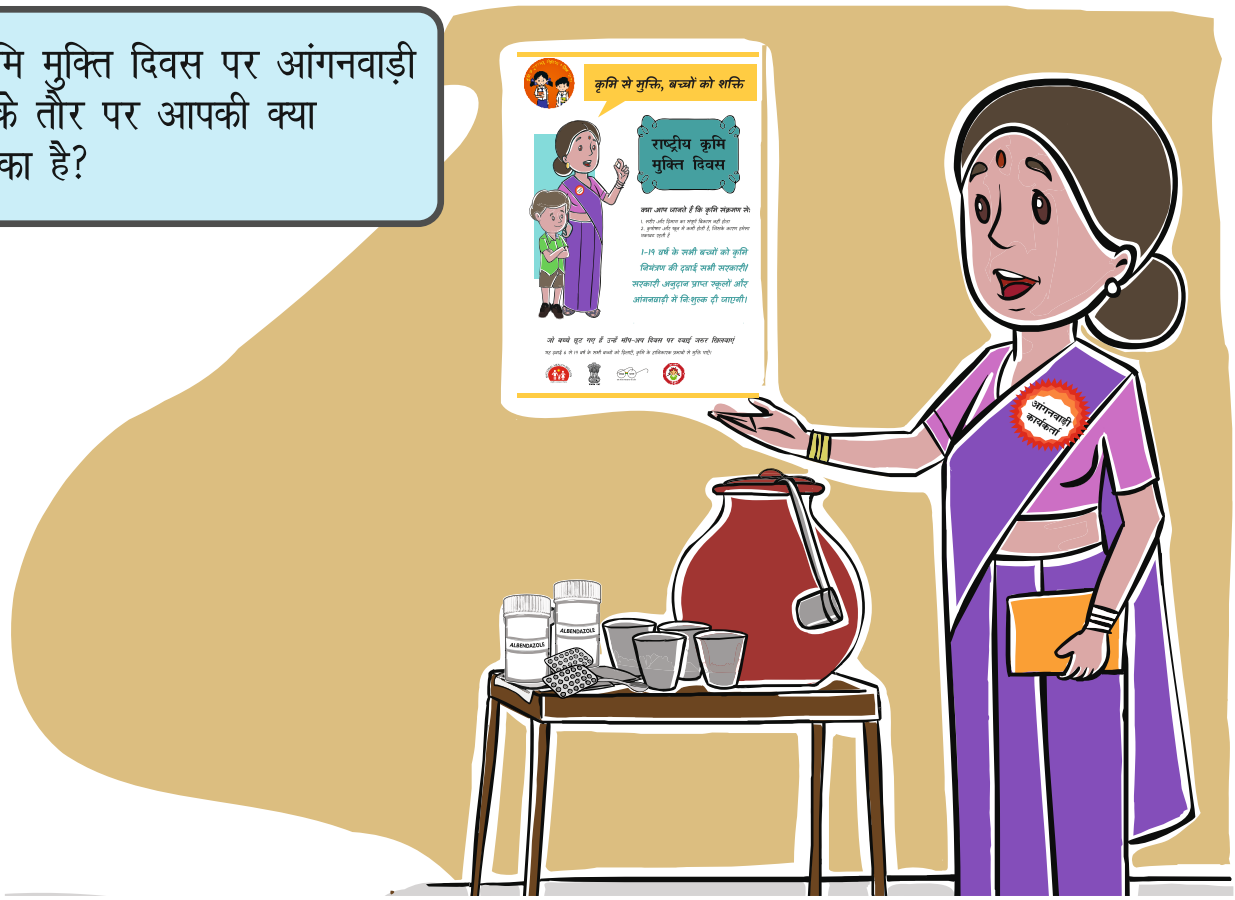

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस से पहले

आवश्यक सामग्री की चेकलिस्ट-

- पर्याप्त मात्रा में दवाई सुनिश्चित करें
- ए.एन.एम. और स्थानीय स्वास्थ्य केन्द्र के फ़ोन नंबर सम्भाल कर रखें
- राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस रिपोर्टिंग फॉर्म
- आशा गृह भ्रमण के दौरान स्कूल ना जाने वाले बच्चों की सूची (आशा रिपोर्टिंग फॉर्म) तैयार कर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता को दें
- गैर-पंजीकृत और स्कूल ना जाने वाले बच्चों को आंगनवाड़ी केन्द्रों पर लाने के लिए आशा का सहयोग लें
- राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस कार्यक्रम के बारे में बच्चों, माता-पिता और समुदाय को जागरूक करें
- माता-पिता को राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस की तिथि अवश्य बतायें ताकि वे अपने बच्चों को उस दिन आंगनवाड़ी में दवा खिलाने ज़रूर ले जाएं
- पोस्टर, बैनर आदि आई. ई. सी. को सही तरीके से लगाएं ताकि सभी उसे पढ़ पाएं

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर

सुनिश्चित करें कि आपके आसपास ये सुविधायें ज़रूर उपलब्ध हों-

- साफ पानी और पीने के लिए गिलास
- पर्याप्त मात्रा में दवाई
- दवाई चूरा करने और खिलानें के लिए चम्मच
- आपातकालीन फोन नंबर
- उपस्थिति रजिस्टर

आशा कृमि मुक्ति दिवस पर छूट गए बच्चों के घर दोबारा जाए और मॉप-अप दिवस पर दवा खाने के लिए प्रेरित करें

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के बाद

- आंगनवाड़ी कार्यकर्ता राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस और मॉप-अप दिवस की रिपोर्टिंग, इस हैंडआउट के साथ दिए रिपोर्टिंग फॉर्म में संकलित कर **26 फरवरी 2020** तक ए.एन.एम. को दें
- 6–19 वर्ष के स्कूल ना जाने वाले बच्चों की रिपोर्ट के लिए आशा द्वारा बनाई गई सूची का प्रयोग करें
- राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के बाद बच्चों और माता-पिता को प्रोत्साहित करें कि वे कृमि संक्रमण की रोकथाम के लिए साफ-सफ़ाई का ध्यान रखें

ध्यान दें:

आयु	खुराक	एल्बेंडाजॉल खिलाने का तरीका
1–2 साल	आधी एल्बेंडाजोल 400 mg (चबाने वाली दवाई)	1–2 साल के बच्चों को आधी दवाई खिलाएं। दवाई को दो चम्मच के बीच रखकर पूरी तरह चूरा करें और पीने के पानी में मिलाकर ही खिलाएं। 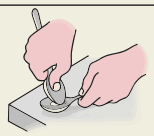
2–3 साल	पूरी एल्बेंडाजोल 400 mg (चबाने वाली दवाई)	2–3 साल के बच्चों को एक पूरी दवाई खिलाएं। दवाई को दो चम्मच के बीच रखकर पूरी तरह चूरा करें और पीने के पानी में मिलाकर ही खिलाएं।
3–19 साल	पूरी एल्बेंडाजोल 400 mg (चबाने वाली दवाई)	• 3–19 साल के बच्चों को हमेशा दवाई चबा कर खाने की सलाह दें। • बिना चूरा या चबा कर खायी गयी एल्बेंडाजॉल दवाई का प्रभाव महत्वपूर्ण रूप से कम हो सकता है। • पीने का पानी साथ रखें। • आंगनवाड़ी कार्यकर्ता अपने सामने ही चम्मच से हर बच्चे को दवाई खिलाएं। दवाई घर ले जाने ना दें।

कृमि मुक्ति दिवस पर दवाई खिलाने के साथ-साथ रजिस्टर और आशा द्वारा बनाई सूची में हर बच्चे के नाम के सामने सही का एक (✓) निशान लगाएं

- जो बच्चे बिमार हैं या कोई अन्य दवाई ले रहे हैं, उन्हें कृमि नियंत्रण की दवाई ना दें
- बच्चों को ज़बरदस्ती दवाई ना खिलायें।

जो बच्चे राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर किसी भी कारण छूट जाते हैं, उन्हें दवाई मॉप-अप दिवस पर दवाई खिलाएं। बच्चे के नाम के सामने रजिस्टर और आशा द्वारा बनाई सूची पर सही के दो (✓✓) निशान लगाएं

मॉप–अप दिवस 17 फरवरी 2020 को है

यह दवाई बच्चों और बड़ो के लिए सुरक्षित है

- जिन बच्चों में कृमि होते हैं, उन्हें दवाई खाने पर कुछ मामूली प्रतिकूल लक्षण जैसे-जी मिचलाना, पेट में हल्का दर्द, उल्टी, दस्त और थकान महसूस हो सकती है। घबरायें नहीं। प्रतिकूल नीति चरणों का पालन करें।
- यह प्रतिकूल लक्षण (साईड इफेक्ट्स) अस्थाई होते हैं और आम तौर पर आसानी से आंगनवाड़ी केन्द्र में संभाले जा सकते हैं।
- किसी भी प्रकार के प्रतिकूल लक्षण होने पर, बच्चे को खुली छायादार जगह में लिटाकर आराम कराएं। उसे पीने का साफ पानी दें।
- **एल्बेंडाजॉल आसानी से चबाकर खाने वाली दवाई है।** अगर दवाई का टुकड़ा गले में अटक जाए, तो बच्चे को छाती के बल अपनी गोद में लिटाएं और उसकी पीठ हल्के से थपथपाएं जिससे दवाई निकल जाए।

- किसी भी चिकित्सिक सहायता के लिए --------नम्बर पर फोन करें।

आम तौर पर पूछे जाने वाले प्रश्न

1. मुझे सभी बच्चों को कृमि नियंत्रण की दवाई क्यों खिलानी चाहिए, जबकि कुछ बच्चे बीमार प्रतीत नहीं होते?

- कृमि संक्रमण चक्र की रोकथाम के लिए यह दवाई सभी बच्चों को खिलाना आवश्यक है।
- हो सकता है कि कृमि संक्रमण के प्रभाव तुरंत दिखाई न दें लेकिन वे बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा और संपूर्ण विकास को लंबे समय तक नुकसान पहुंचा सकते हैं। कृमि नियंत्रण की दवाई कृमि संक्रमण की रोकथाम करती है।
- कृमि नियंत्रण की दवाई बच्चों के लिए बहुत सुरक्षित और असरदार है जिसे WHO और स्वास्थ्य मंत्रालय, भारत सरकार ने कृमि नियंत्रण कार्यक्रम के लिए संस्तुत किया है। प्रत्येक बच्चे में कृमि संक्रमण की जांच करना सरल नहीं है। इससे बेहतर है कि एक निर्धारित दिन (राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस) पर सभी 1–19 वर्ष के बच्चों को यह दवाई खिलाई जाए।
- कृमि नियंत्रण की दवाई से बच्चों के संपूर्ण शारीरिक और मानसिक विकास में मदद मिलती है।

2. क्या यह दवाई खाली पेट खिलाई जा सकती है?

हाँ, यह दवाई खाली पेट भी खिलाई जा सकती है। दवाई चबा कर ही खाने का निर्देश दें। 1–2 वर्ष के बच्चों को आधी दवाई चूरा कर के पीने के पानी में मिलाकर दें।

3. मुझे कृमि नियंत्रण कार्यक्रम की रिपोर्टिंग का काम क्यों सौंपा गया है?

कृमि नियंत्रण की दवाई लेने वाले हर बच्चे की जानकारी, समय पर रिपोर्ट करने से कार्यक्रम की सफलता जानने में मदद मिलती है। यह बहुत ज़रूरी है और आपकी ज़िम्मेदारी भी है।

महत्वपूर्ण निर्देश

- सुनिश्चित करें कि राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस किट की पूरी सामग्री आपको प्रशिक्षण के समय प्राप्त हुई है:

दवाई + यह हैंडआउट + आई.ई.सी. + रिपोर्टिंग फॉर्म = राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस किट

- इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए, आपका और आशा का सहयोग ज़रूरी है।

बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए इस कार्यक्रम मे उत्साहपूर्वक और निर्देशानुसार भागीदार बनें।

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर राजू आंगनवाड़ी गया और उसने कृमि नियंत्रण की दवाई खाई।

अब राजू स्वस्थ महसूस करता है। वह समुदाय में अपने दोस्तों को इन आवश्यक बातों के बारे में बताता है।

कृमि नियंत्रण की दवाई खाने के साथ-साथ कृमि संक्रमण की रोकथाम के लिए महत्वपूर्ण व्यवहार

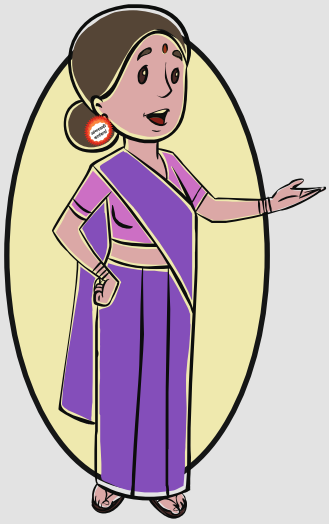

नाखून साफ और छोटे रखें

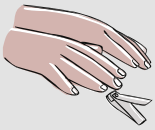

हमेशा साफ पानी पीएं

खाने को ढ़क कर रखें

साफ पानी से फल व सब्ज़ियाँ धोएं

अपने हाथ साबुन से धोएं, विशेषकर खाने से पहले और शौच जाने के बाद

आस पास सफ़ाई रखें

जूते पहनें

खुले में शौच ना करें, हमेशा शौचालय का प्रयोग करें

इन व्यवहारों के बारे में समुदाय में नियमित रूप से जानकारी दें

राजू को कृमि मुक्त कराना आपकी ज़िम्मेदारी है।

NATIONAL HEALTH MISSION
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन

सत्यमेव जयते

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ

Technical Partner
Logo to be Placed Here

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस 10 फरवरी 2020
आंगनवाड़ी रिपोर्टिंग फॉर्म

* कृपया नीचे दिए गए सभी विवरण भरें और किसी भी बॉक्स को खाली न छोड़ें।

राज्य का नामः		जिला का नामः	
ब्लॉक का नामः		ग्राम/नगर का नामः	
परियोजना का नामः	आंगनवाड़ी केंद्र का नामः	आंगनवाड़ी कोडः	
	आंगनवाड़ी कार्यकर्ता ने कृमि मुक्ति दिवस प्रशिक्षण प्राप्त किया है ?	हाँ/नहीं	

एल्बेंडाजॉल दवाई का कवरेज			
लक्षित विवरण	लड़कियाँ	लड़के	कुल
आंगनवाड़ी केन्द्र में **पंजीकृत बच्चों** की कुल संख्या (1 से 5 साल तक)			
आंगनवाड़ी केन्द्र में **गैर–पंजीकृत बच्चों** की कुल संख्या (1 से 5 साल तक)			
आंगनवाड़ी केन्द्र में **स्कूल ना जाने वाले बच्चों** की कुल संख्या (6 से 19 साल तक)			
खिलाई गई एल्बेंडाजॉल दवाई का कवरेज			
पंजीकृत बच्चों की कुल संख्या (1 से 5 साल तक) जिन्हें कृमि मुक्ति दिवस और मॉप–अप दिवस पर एल्बेंडाजॉल की दवाई खिलाई गयी			(1)
गैर–पंजीकृत बच्चों की कुल संख्या (1 से 5 साल तक) जिन्हें कृमि मुक्ति दिवस और मॉप–अप दिवस पर एल्बेंडाजॉल की दवाई खिलाई गयी			(2)
स्कूल ना जाने वाले बच्चों की कुल संख्या (6 से 19 साल तक) जिन्हें कृमि मुक्ति दिवस और मॉप–अप दिवस पर एल्बेंडाजॉल की दवाई खिलाई गयी			(3)
कुल योगः बच्चों की कुल संख्या जिन्हें एल्बेंडाजॉल की दवाई खिलाई गयी (T = 1+2+3)	**(T)**		

आंगनवाड़ी केन्द्र में रिपोर्ट की गई **गंभीर प्रतिकूल घटनाओं** की कुल संख्या (प्रतिकूल घटना रिपोर्टिंग प्रारुप प्रस्तुत करें)	
स्टॉक विवरण	
आंगनवाड़ी केंद्र को प्राप्त एल्बेंडाजॉल दवाई की कुल संख्या	
आंगनवाड़ी केन्द्र के पास बची हुई एल्बेंडाजॉल दवाई की कुल संख्या	

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता का नाम	**आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के हस्ताक्षर**
आंगनवाड़ी कार्यकर्ता का फोन नंबर	**फॉर्म जमा करने की तिथि**

किसी भी समस्या के निवारण हेतु आप राज्य/जिला/ब्लॉक कार्यालय (नाम : ...../फोन नं0 .....) से बात कर सकते हैं।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता रिपोर्टिंग फॉर्म को भर कर 26 फरवरी 2020 तक ए.एन.एम. के पास जमा करें

ए.एन.एम. सभी आंगनवाड़ी रिपोर्टिंग फॉर्मस को ब्लॉक पर **4 मार्च 2020** तक जमा करें

नोटः रिकॉर्ड और सत्यापन (वेरिफिकेशन) के लिए आंगनवाड़ी कार्यकर्ता रिर्पोटिंग फॉर्म की एक कॉपी अपने पास आगंनवाड़ी में ही रखें।

याद रखें:

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस: **10 फरवरी 2020**

मॉप-अप दिवस: **17 फरवरी 2020**

आंगनवाड़ी रिपोर्टिंग फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथि: **26 फरवरी 2020**

ध्यान दें:

1. इस पृष्ठ/पन्ने के पीछे राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस का आंगनवाड़ी रिपोर्टिंग फॉर्म है।
2. हैंडआउट के साथ दिए गए रिपोर्टिंग फॉर्म को परफोरेशन (दिए गए छिद्र) से अलग करें।
3. आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सभी वर्गों के आंकड़ों को आंगनवाड़ी रिपोर्टिंग फॉर्म में भरकर समयानुसार ए.एन.एम. को जमा कर दें।

रिपोर्टिंग गाईडलाईन (आंगनवाड़ी):

- आशा द्वारा बनाई गई स्कूल ना जाने वाले (6–19 वर्ष) बच्चों की सूची (आशा रिपोर्टिंग फार्म) की एक कॉपी आशा से लें।
- रिपोर्टिंग फॉर्म भरने से पहले, आगंनवाड़ी कार्यकर्ता अपने रिकार्ड को आशा द्वारा बनाई गई सूची से मिलाएं और अपडेट करें।
- राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर दवाई खिलाने के साथ-साथ आंगनवाड़ी के रजिस्टर में और आशा रिपोर्टिंग फॉर्म में हर बच्चे के नाम के सामने एक सही का (✓) निशान लगाएं।
- मॉप-अप दिवस पर दवाई खाए गए हर बच्चे के नाम के आगे आंगनवाड़ी रजिस्टर में दो सही (✓✓) का निशान लगाएं।
- आंगनवाड़ी कार्यकर्ता राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस और मॉप-अप दिवस पर दवाई खने वाले बच्चों की सख्यां अलग-अलग गिनती करें और समय-सीमा में ए.एन.एम. को जमा करें। 6–19 वर्ष के स्कूल ना जाने वाले बच्चों के आंकड़ों के लिए आशा द्वारा बनाई सूची का प्रयोग करें।
- आंगनवाड़ी कार्यकर्ता बच्चों की संख्या लिखने से पहले सुनिश्चित करें कि गिनती सही की गई है।
- रिकॉर्ड और सत्यापन के लिए रिपोर्टिंग फॉर्म की एक कॉपी अपने आंगनवाड़ी केन्द्र में संभाल कर रखें।